>

Title: Need to provide 10% reservation to poor belonging to upper castes in Government/Private Sector Jobs.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : महोदय, मैं देश के उन आर्थिक पिछड़े लोगों का सवाल उठाना चाहता हूं, जो देश की मुख्य धारा से अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। अभी माननीय राम विलास पासवान जी यहां बैठे हुए थे, उन्होंने भी कई जन-सभाओं में इस सवाल को उठाया है। माननीय लालू प्रसाद जी ने भी कई जन-सभाओं में और उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री ने भी लखनऊ की एक जन सभा में इस सवाल को उठाया है।

अध्यक्ष महोदय, देश के तथाकथित जो स्वर्ण जाति के लोग कहे जाते हैं, वे पहले जमीन-जायदाद से भरपूर होते [MSOffice17]थे। आज जमीन-जायदाद बेचकर उनके बच्चे दिल्ली और गुजरात में 1500 रुपए से लेकर 2000 रुपए प्रतिमाह की प्राइवेट नौकरी करने पर मजबूर हो रहे हैं और वे लोग मुख्य धारा से कटते जा रहे हैं। इसलिए हम पूरे सदन से और दासमुंशी जी से भी निवेदन करना चाहते हैं कि सवर्ण जाति के जो लोग आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए हैं, उन्हें नौकरियों में, पदोन्नतियों में और उच्च शिक्षण संस्थाओं में नामांकन हेतु दस प्रतिशत का आरक्षण दिया जाए। हम चाहते हैं कि सरकार को जिम्मेदारीपूर्वक और गम्भीरता से इन वर्गों के सवाल पर सोचना चाहिए। ये लोग कल तक बहुत ही मजबूत हुआ करते थे, समाज की मुख्य धारा में थे और उसे जोड़ने में कड़ी का काम करते थे। आज आर्थिक रूप से पिछड़ेपन के कारण ये लोग मुख्य धारा से कटते जा रही हैं। अगर इसके लिए केन्द्र सरकार को संविधान में संशोधन भी करना आवश्यक हो, तो वह करे और उन्हें मुख्य धारा में लाने हेतु दस प्रतिशत आरक्षण देना चाहिए।

MR. SPEAKER: Thank you very much. I will call you one by one.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Today I am in an accommodative mood provided I get accommodation.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय: अगर कोई माननीय सदस्य अध्यक्ष महोदय मुझे भी मौका दें, कहेगा तो उसे अवसर नहीं दिया जाएगा। मेरे पास सूची है और मैं कोशिश करूंगा कि अधिक से अधिक सदस्यों को मौका दूं।